आमजन का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ा विश्वास: डॉ. ज्योति रावत

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। एडिशनल कमिश्नर, स्वास्थ्य विभाग, भारत सरकार डॉ. ज्योति रावत ने कहा कि आम-जन का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ा विश्वास बढ़ा है। डॉ. ज्योति रावत ने बुधवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), स्वास्थ्य विभाग देहरादून स्थित सभागार में एन एच. एम. के तहत चलाए जा रहे स्वास्थ्य संबंधित कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक ली।

एडिशनल कमिश्नर, स्वास्थ्य विभाग स्वास्थ्य विभाग भारत सरकार ने की बैठक

बैठक में डॉ. ज्योति रावत ने कहा सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम की सेवाएं शहरी क्षेत्रों के जनमानस मुख्यत: अधिक आबादी वाले क्षेत्रों, स्लम क्षेत्रों, को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से दिया जा रहा है।डॉ. ज्योति रावत ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सभी कार्यक्रम समन्वय स्थापित कर एक साथ काम करें ताकि आम-जन को उनके निवास के निकट ज्यादा से ज्यादा लाभ शहरी क्षेत्रों में स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से मिल सके। उनके द्वारा आश्वासन दिया गया कि मातृ एवं शिशु चिकित्सालय/शहरी स्वास्थ्य केंद्रों के विस्तार के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर में किसी भी प्रकार की मदद भारत सरकार राज्य सरकार को देने में सहयोग करेगी।बैठक में डॉ. सरोज नैथानी, निदेशक, एन.एच.एम. ने डॉ. ज्योति रावत को आश्वस्त किया कि जो अपेक्षाएं भारत सरकार की उत्तराखंड को लेकर है वह हर हाल में पूरी की जाएगी। साथ ही उन्होंने सभी कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सभी समन्वय स्थापित करते हुए सभी कार्यक्रम गतिविधियों को शहरी स्तर पर गुणवत्ता पूर्ण लागू करना सुनिश्चित करें। शीघ्र ही जनपदों को भी निर्देशित किया जाएगा। बैठक में डॉ. विनोद टोलिया, डॉ. अमित शुक्ला, डॉ. फरीदुलजफर, डॉ. सुजाता, डॉ. अजय, राज्य कार्यक्रम अधिकारी, महेन्द्र मौर्य, डॉ. आंचल, डॉ. नितिन अरोड़ा, डॉ. नोमिशा, डॉ. विकास पांडेय, डॉ. दिशा; सीमा मेहरा, डॉ प्रियांशी, डॉ. गौरव गैरोला डॉ. नो. मिशा, हिमांशु पैन्यूली व गणेश आदि अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

एडिशनल कमिश्नर ने एनएचएम सभागार में ली स्वास्थ्य संबंधित कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक

सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ा आम-जन का विश्वासः डॉ ज्योति

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। आम जनता का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में विश्वास बढ़ रहा है। ये बात एडिशनल कमिश्नर डॉ. ज्योति रावत ने स्वास्थ्य विभाग भारत सरकार की ओर से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), स्वास्थ्य विभाग के सभागार में एनएचएम के अंतर्गत चलाए जा रहे स्वास्थ्य संबंधित कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक लेते हुए कही।

बैठक में डॉ. रावत ने कहा सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम की सेवाएं शहरी क्षेत्रों के जनमानस मुख्यतः अधिक आबादी वाले क्षेत्रों, स्लम क्षेत्रों, को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से दिया जा रहा है। डॉ. रावत ने बैठक में कहा, कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सभी कार्यक्रम समन्वय स्थापित कर एक साथ काम करें ताकि आम-जन को उनके निवास के निकट ज्यादा से ज्यादा लाभ शहरी क्षेत्रों में स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से मिल सके। उनके द्वारा आश्वासन दिया गया कि मातृ एवं शिशु चिकित्सालय/शहरी स्वास्थ्य केंद्रों के विस्तार हेतु इंफ्रास्ट्रक्चर में किसी भी प्रकार की मदद भारत सरकार राज्य सरकार को देने में सहयोग करेगी। बैठक में निदेशक एनएचएम डॉ. सरोज नैथानी ने डॉ. ज्योति रावत को आश्वस्त किया कि जो अपेक्षाएं भारत सरकार की उत्तराखंड को लेकर है वह हर हाल में पूरी की जाएगी। साथ ही उन्होंने सभी कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सर्भ समन्वय स्थापित करते हुए सभी कार्यक्रम गतिविधियों को शहरी स्तर पर गुणवत्ता पूर्ण लागू करना सुनिश्चित करें। शीघ्र ही जनपदों को भी निर्देशित किया जाएगा। बैठक में डॉ. विनोद टोलिया, डॉ. अमित शुक्ला, डॉ. फरीदुलजफ़र, डॉ. सुजाता, डॉ. अजय, राज्य कार्यक्रम अधिकारी, महेन्द्र मौर्य, डॉ. आंचल, डॉ. नितिन अरोड़ा, डॉ. नोमिशा, डॉ. विकास पांडेय, डॉ. दिशा, सीमा मेहरा, डॉ प्रियांशी, डॉ. गौरव गैरोला, डॉ. नोमिशा, हिमांशु पैन्यूली, गणेश आदि अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वास्थ्य संबधित कार्यक्रमो की समीक्षा बैठक लेती एडिशनल कमिश्नर।

हर शहरी स्वास्थ्य केंद्र में बनेंगे डॉट्स सेंटर

टीबी मरीजों को आसानी से मिलेंगी मुफ्त दवाइयां

देहरादून। उत्तराखंड को टीबी (क्षय रोग) मुक्त राज्य बनाने के लिए अब प्रत्येक शहरी स्वास्थ्य केंद्रों में डॉट्स सेंटर बनाए जाएंगे। जहां पर टीबी मरीजों को निशुल्क दवाइयों और परामर्श की सुविधा मिलेगी।

बुधवार को स्वास्थ्य मंत्रालय की अपर आयुक्त डॉ. ज्योति रावत ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रदेश में संचालित स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से लोगों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सुविधाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मातृ एवं शिशु चिकित्सालय, शहरी स्वास्थ्य केंद्रों के विस्तार के लिए अवस्थापना विकास में केंद्र सरकार हरसंभव सहयोग करेगी।

बैठक में एनएचएम निदेशक डॉ. सरोज नैथानी ने अपर आयुक्त को भरोसा दिया कि एनएचएम के माध्यम से स्वास्थ्य कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से लागू किया जाएगा। शीघ्र ही जिलों को भी इस संबंध में निर्देश दिए जाएंगे। बैठक में डॉ. विनोद टोलिया, डॉ. अमित शुक्ला, डॉ. फरीदुलजफर, डॉ. सुजाता, डॉ. अजय, महेंद्र मौर्य, डॉ. नितिन अरोड़ा आदि मौजूद थे।

आमजन का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ा है विश्वास

जागरण संवाददाता, देहरादून: आमजन का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में विश्वास बढ़ा है। यहा बात स्वास्थ्य विभाग, भारत सरकार की अपर आयुक्त डा. ज्योति रावत ने कही। बुधवार को उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) सभागार में एनएचएम के अंतर्गत चलाए जा रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की।

डा. रावत ने कहा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत शहरी क्षेत्रों मुख्यतः अधिक आबादी वाले क्षेत्रों, मलिन बस्तियों को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से सेवाएं दी जा रही हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सभी कार्यक्रम अधिकारी समन्वय स्थापित कर एक साथ काम करें। ताकि आमजन को उनके निवास के निकट शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर अधिकाधिक लाभ मिल सके। यह आश्वासन दिया कि मातृ एवं शिशु चिकित्सालय/शहरी स्वास्थ्य केंद्रों के अवस्थापना विकास

केंद्र सरकार की अपर आयुक्त डा. ज्योति रावत ने एनएचएम के अंतर्गत चलाए जा रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की

के लिए केंद्र हर संभव सहायता देगा। एनएचएम की निदेशक डा. सरोज नैथानी ने अपर आयुक्त को भरोसा दिलाया कि उत्तराखंड को लेकर केंद्र की जो भी अपेक्षाएं है, वह हर हाल में पूरी की जाएंगी। कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सभी समन्वय स्थापित करते हुए सभी गतिविधियों को शहरी स्तर पर गुणवत्ता के साथ लागू करना सुनिश्चित करें। शीघ्र ही जनपदों को भी इस संबंध में निर्देशित किया जाएगा। इस दौरान डा. विनोद टोलिया. डा. अमित शुक्ला, डा. फरीदुलजफर, डा. सुजाता. डा. अजय, महेंद्र मौर्य, डा.आंचल, डा.नितिन अरोड़ा. डा. नोमिशा आदि उपस्थित रहे।

सीएचसी जखोली में अल्ट्रासाउंड जांच शुरू

रुद्रप्रयाग। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखोली में एक सप्ताह में 81 मरीजों की अल्ट्रासाउंड जांच की गई। यहां रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती के बाद से अब जरूरतमंद लोगों को रुद्रप्रयाग की दौड़ नहीं लगानी पड़ रही है। अस्पताल में पिछले कई दिनों से ओपीडी भी बढ़ी है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की पहल पर सीएमओ डॉ. बीके शुक्ला ने सीएचसी जखोली में रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती की है। सीएमओ ने बताया कि अब अस्पताल में नियमित रूप से जरूरतमंद मरीजों की अल्ट्रासाउंड जांच की जा रही है। एक सप्ताह में ही यहां 81 मरीजों की अल्ट्रासाउंड जांच की जा चुकी है, जबकि पूर्व में एक माह में सिर्फ दो दिन रेडियोलॉजिस्ट द्वारा यहां 25 से 30 जांच की जाती थीं। ऐसे में जरूरतमंद लोगों को जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग की दौड़ लगानी पड़ती थी। बताया कि रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती के बाद से ओपीडी में भी निरंतर वृद्धि हुई है। संवाद

REDMI NOTE 10
14/07/2022 07:02

सोनोलॉजिस्ट की तैनाती से जखोली की जनता को मिल रहा लाभ

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखोली में नियमित सोनोलॉजिस्ट की तैनाती कर दी गई है। इस सुविधा के उपलब्ध होने से स्थानीय निवासियों को अब जिला चिकित्सालय नही जाना पड़ेगा। स्वास्थ्य केंद्र में नियमित अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू होने से जखोली ब्लॉक के निवासियों को राहत मिली है। मातृत्व स्वास्थ्य के साथ-साथ अन्य मामलों में अल्ट्रासांउड जांच की सेवा उपलब्ध होने से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की दैनिक ओपीडी भी दो गुनी हो गई है।

स्वास्थ्य केंद्र की दैनिक ओपीडी हुई दो गुनी

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.बीके शुक्ला ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर जखोली ब्लॉक में एक सप्ताह पूर्व नियमित अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू की गई थी, जिसके उपरांत ओपीडी भी बढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती न होने से पूर्व में व्यवस्था के तहत जिला चिकित्सालय में तैनात रेडियोलॉजिस्ट द्वारा माह में दो दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखोली में अल्ट्रासाउंड सेवा दी जाती थी, जिस कारण माह के अन्य दिनों में किसी ब्याधि में अल्ट्रासाउंड जांच की आवश्यकता होने पर मरीजों को जिला चिकित्सालय जाना पड़ता था। बताया कि पूर्व में माह में लगभग 30 अल्ट्रासाउंड जांच होती थी, लेकिन नियमित सोनोलॉजिस्ट की तैनाती के बाद बीते एक सप्ताह में 81 अल्ट्रासाउंड जांच की गई हैं।

REDMI NOTE 10 14/07/2022 06:51

जखोली अस्पताल में सोनोलॉजिस्ट तैनात

सुविधा

रुद्रप्रयाग, संवाददाता। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखोली में नियमित सोनोलॉजिस्ट की तैनाती भी कर दी गई है। आसपास के क्षेत्र के लोगों को अब सोनोग्राफी के लिए जिला चिकित्सालय की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

वहीं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू होने से जखोली ब्लॉक और आसपास क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिल रही है। मातृत्व स्वास्थ्य के साथ-साथ अन्य मामलों में अल्ट्रासांउड जांच की सेवा उपलब्ध होने से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की दैनिक ओपीडी भी पहले से करीब दो गुना बढ़ हो गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बड़ी संख्या में लोग अल्ट्रासाउंड की सुविधा का लाभ उठा रहे हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बीके शुक्ला ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर जखोली ब्लॉक में एक सप्ताह पूर्व नियमित अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू की गई थी,

81 अल्ट्रासाउंड जांच की गई एक सप्ताह में

- सोनोग्राफी को नहीं जाना होगा जिला अस्पताल
- अल्ट्रासाउंड की भी सुविधा मिल रही

जिसके बाद ओपीडी में मरीजों की संख्या भी बढ़ी है। वहीं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अब मरीजों को सोनोग्राफी की सुविधा भी नियमित मिलेगी। मरीजों को अब दूसरे शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

उन्होंने बताया कि रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती नहीं होने से पूर्व में जिला चिकित्सालय में तैनात रेडियोलॉजिस्ट द्वारा माह में दो दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखोली में अल्ट्रासाउंड सेवा दी जाती थी, जिस कारण माह के अन्य दिनों में अल्ट्रासाउंड जांच की जरूरत होने पर मरीजों को जिला चिकित्सालय जाना पड़ता था। उन्होंने बताया कि पहले जहां माह में 30 अल्ट्रासाउंड जांच होती थीं, वहीं अब बीते एक सप्ताह में 81 अल्ट्रासाउंड जांच की गई हैं।

REDMI NOTE 10 14/07/2022 06:57

सीएचसी जखोली में नियमित शुरू हुई अल्ट्रासाउंड सेवा

डीएम के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने की सोनोलाजिस्ट की तैनाती, मरीजों को अब नहीं लगानी पड़ेगी बेस चिकित्सालय श्रीनगर की दौड़

संवाद सहयोगी, रुद्रप्रयाग: सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जखोली में अल्ट्रासाउंड सेवा नियमित शुरू हो गई। डीएम के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने स्वास्थ्य केन्द्र में सोनोलाजिस्ट की तैनाती की है। जिससे अब क्षेत्र के जनता को अल्ट्रासाउंड के लिए जिला चिकित्सालय की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। वहीं सेवा शुरू होने से अब केन्द्र में ओपीडी भी बढ़ने लगी है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जखोली में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने की मांग में अल्ट्रासाउंड भी एक बड़ी समस्या थी। अल्ट्रासाउंड न होने से गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रोगों से ग्रसित मरीजों को जिला चिकित्सालय एवं बेस चिकित्सालय श्रीनगर की दौड़ लगानी पड़ती थी। ऐसे में क्षेत्रीय जनता को समय के आर्थिकी का नुकसान भी उठाना पड़ रहा था। हालांकि जिला चिकित्सालय में तैनात रेडियोलाजिस्ट भी माह में दो दिन स्वास्थ्य केंद्र जखोली में अल्ट्रासाउंड सेवा दे रहा था, लेकिन इसका जनता को बेहतर लाभ नहीं मिल पा रहा था। गत दिनों स्वास्थ्य विभाग की बैठक में डीएम मयूर दीक्षित ने सीएमओ को स्वास्थ्य केंद्र जखोली में नियमित सोनोलॉजिस्ट की तैनाती करने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद विभाग ने स्वास्थ्य केंद्र में सोनोलाजिस्ट की तैनाती कर नियमित अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू कर दी है। सेवा शुरू होने से मातृत्व स्वास्थ्य के साथ-साथ अन्य मामलों में केंद्र की दैनिक ओपीडी भी बढ़ने लगी है। सीएमओ डा. बीके शुक्ला ने बताया कि डीएम के निर्देश पर सीएचसी जखोली में नियमित अल्ट्रासाउंड सेवा शुरू की गई है।

उ0प्र0 राज्य
बी-2 ब्लाक, भूतल
संख्या– 331 रा0आ0प्र0प्रा / 2022–23
14/07/2022 07:08
उ0प्र0 राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण,

अब तक 1 लाख 11 हजार श्रद्धालुओं का किया स्वास्थ्य परीक्षण

रुद्रप्रयाग। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.बीके शुक्ला ने बताया कि केदारनाथ धाम में दर्शन करने आ रहे श्रद्धालुओं का तत्परता से स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए उपचार किया जा रहा है जिसके लिए यात्रा मार्ग से लेकर केदारनाथ धाम तक डॉक्टरों की तैनाती की गई है जिनकी ओर से ओपीडी के माध्यम से श्रद्धालुओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बुधवार को छह सौ श्रद्धालुओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार कराया गया, जिसमें 420 पुरुष तथा 180 महिलाएं शामिल हैं व अब तक ओपीडी के माध्यम से 1,11,297 श्रद्धालुओं का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया जिसमें 78,197 पुरुष तथा 33,099 महिला शामिल हैं। इसके अलावा 43 यात्रियों को ऑक्सीजन उपलब्ध कराया गया अब तक 7054 यात्रियों को ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है।

REDMI NOTE 10 14/07/2022 06:51

एनएचएम के तहत राज्य को मिले 1129.35 करोड़ रुपए

■ देहरादून/एसएनबी।

स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत केंद्र सरकार ने इस वित्तीय वर्ष उत्तराखंड के लिए 1129.35 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है जो कि पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले 280 करोड़ रुपये अधिक है। उन्होंने कहा कि राज्य में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का बेहतर संचालन करने व राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए प्रयासों से यह संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि मिशन के तहत स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है। एनएचएम के तहत केन्द्र सरकार द्वारा मंजूर धनराशि से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत किया जायेगा।

कहा- स्वास्थ्य सेवाओं के सुढ़ढ़ीकरण में एनएचएम का अहम योगदान

योजनाओं के बेहतर संचालन के चलते इस वर्ष मिली अधिक धनराशि

उन्होंने कहा कि इस धनराशि से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों के रेफरल वाहनों की निशुल्क व्यवस्था, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बालिका विद्यालयों में 50 सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और 50 इंसीनरेटर लगाए जाएंगे। बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी में डिस्ट्रिक्ट अर्ली इंटरवेंशन सेंटर कि स्थापना मंजूरी प्रदान की गई है। इसके साथ ही उत्तरकाशी एवं बागेश्वर में दो न्यू बोर्न स्टेबलिसेशन यूनिट का उच्चीकरण कर सिक न्यू बोर्न केयर यूनिट के रूप में विकसित किया जाएगा।

ब्लड सेल प्रोग्राम के तहत थैलीसीमिया के मरीजों को रक्त चढ़ाने हेतु ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेट प्रदान किये जायेंगे। उप जिला चिकित्सालय ऋषिकेश में नए ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट कक्ष के निर्माण हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है। आईपीएचएस मानकों के अंतर्गत 300 शैय्या वाले उप जिला चिकित्सालय हर्रावाला का निर्माण कार्य पूरा करने के लिये अवशेष बजट स्वीकृत किया गया है। ऐसे ही 200 शैय्या युक्त मल्टी स्पेशलिटी चिकित्सालय हल्द्वानी के निर्माण कार्य पूर्ण करने हेतु अवशेष बजट मंजूर किया गया है। उप जिला चिकित्सालय श्रीनगर में ट्रांजिट हॉस्टल, जनपद अल्मोड़ा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देघाट, लमगड़ा एवं जनपद पौड़ी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खिर्सू, यमकेश्वर, रिखड़ीखाल, नैनीडांडा में ट्रांजिट हॉस्टल के निर्माण को मंजूरी दी गई है।

छह जिलों में मॉडल किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक स्थापित होंगे

देहरादून। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि किशोरों के स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुये देहरादून, नैनीताल, पौड़ी, हरिद्वार, टिहरी एवं ऊधमसिंह नगर जनपद में मॉडल किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक की स्थापना की जायेगी। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जनपद अल्मोड़ा, बागेश्वर एवं रुद्रप्रयाग के जिला अस्पताल में किशोर हेल्थ क्लीनिक स्थापित किया जायेगा। इसके अलावा 14 ब्लॉकों के प्राथमिक अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में किशोर हेल्थ क्लीनिक की स्थापना की जाएगी।

244 नए उपकेंद्र-हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों की स्थापना

देहरादून। डा. रावत ने कहा कि कंप्रिहेंसिव प्राइमरी हेल्थ केयर तहत 244 नए उपकेंद्र-हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों की स्थापना की जायेगी। इसके अलावा 1847 आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में निशुल्क योग प्रशिक्षण दिया जायेगा। एनयूएचएम के तहत देहरादून जनपद के मेहूंवाला में नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की मंजूरी दी गई।

यदि वे जांच में दोषी पाये जाते हैं तो

आदि उपस्थित थे।

जा सके।

मंत्री डा. धन सिंह रावत पर उतार रहे

डेंगू को लेकर अलर्ट मोड पर रहें सीएमओ:राधिका

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून । आगामी महीनों में डेंगू रोग के प्रसारित होने की सम्भावना के दृष्टिगत डेंगू रोग के प्रभावी रोकथाम एवं नियंत्रण की समयबद्ध रणनीति के अनुसार कार्य करने के लिए मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन की ओर से सभी विभागों को समन्वय से कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। इसी क्रम में सचिव स्वास्थ्य राधिका झा ने सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने एवं किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरतने के लिए निर्देशित किया।

सचिव स्वास्थ्य ने बताया कि डेंगू एवं चिकनगुनिया रोग की समु. चत रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए अन्य समस्त विभागों की भी महत्वपूर्ण सक्रिय भागीदारिता सुनिश्चित करने के लिए शासन की ओर से समस्त जनपदों के

जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक सुनिश्चित रूप से आयोजित कराने के आदेश दे दिये गये है तथा सभी विभागों की ओर से डेंगू रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए उनकी ओर से की जाने वाली गतिविधियां समयान्तर्गत की जायें। डेंगू मच्छरों को पनपने से रो. कने के लिए की जाने वाली समस्त गतिविधियां सभी विभाग निरन्तर करते रहें ताकि डेंगू के मच्छर को पनपने से रोका जा सकें। सचिव स्वास्थ्य ने निर्देशित किया कि डेंग

स्वास्थ्य सचिव ने दिए सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश

घर के आसपास पानी जमा न होने दें, सफाई रखें

देहरादून। सचिव स्वास्थ्य ने बताया कि पानी की टंकी, कूलर, सीमेंट की हौदी, गमले, फ्रिज की ट्रे आदि में पानी जमा होने के कारण डेंगू रोग फैलाने वाला मच्छर पनप सकता है। डेंगू मच्छर पर नियंत्रण के लिए घर व घर के आस पास पानी न जमा होने दिया जाये व साफ सफाई रखी जाये। मच्छरों से स्वयं के बचाव के लिए ऐसे कपडे पहने जायें जिससे शरीर का अधिक से अधिक भाग ढका रहे, मच्छरदानी का प्रयोग करें, घर की खिड़कियों व दरवाजों पर महीन जाली लगवाकर मच्छरों को घर मे आने से रोकें। डेंगू के लक्षण होने पर चिकित्सकीय परामर्श लें एवं बिना चिकित्सकीय परामर्श के कोई दवा न लें।

रोग की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए सभी जनपदों में डेंगू स्वच्छता अभियान चलाया जाये एवं ब्लाक वार माइक्रोप्लान बनाकर कार्यवाहियां की जायें तथा व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। सभी जनपदों में डेंगू की जांच सुविधा उपलब्ध रखी जाये। सभी जनपदों के चिकित्सालयों में पथक डेंगू आईसोलेशन वार्ड तैयार कर मच्छरदानी युक्त पर्याप्त बेड व औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जायें तथा डेंगू आइसोलेशन वार्ड के लिए नोडल अधिकारी नामित किये जायें। सभी ब्लड बैंकों में प्लेटलेट की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।

कार्यशाला में नशे के खिलाफ जागरूक किया

अमृत विचार, अल्मोड़ा

संकल्प

- युवाओं को नशे से दूर रखने को लिया संकल्प
- नशे से दूर रहने के लिए काउंसिलिंग को जरूरी बताया

मादक पदार्थ निषेध दिवस के मौके पर अल्मोड़ा नर्सिंग कालेज में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में युवाओं को नशे से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. आरसी पंत ने कहा कि वर्तमान में युवाओं में नशे की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि युवाओं को इस लत से बचाया जा सके। इसके लिए अंतर राष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस का आयोजन किया जाता है। पंत ने कहा कि आज युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। तभी एक बेहतर समाज का निर्माण संभव है। जिला क्षय रोग अधिकारी डा. प्रांशू डेनियल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से उत्तराखंड के विभिन्न हिस्सों में मादक पदार्थों का सेवन लगातार बढ़ रहा है। जिससे युवाओं में शारीरिक और मानसिक विकृतियां पैदा हो रही हैं। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एचसीएस मर्तोलिया ने पावर प्वाइंट की मदद से युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युवाओं को इस लत से बचाया जा सके। इसके लिए युवाओं को जागरूक कर उनकी काउंसिलिंग कराई जा रही है।

कार्यशाला में डा. पूनम भट्ट, दीपक भट्ट, आशा गंगोला, सरला सिंह, ललित पांडे, कमलेश भट्ट, रवि मिश्रा, दीवान बिष्ट, मनोज रावत, हेमा हयांकी, गिरीश जोशी आदि मौजूद रहे।

विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण दिवस पर दी परिवार नियोजन के सुविधाजनक उपायों की जानकारी

गोपेश्वर (बद्री विशाल)। विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय गोपेश्वर में आयोजित कार्यशाला में आमजन को परिवार नियोजन के आसान एवं सुविधाजनक उपाय के बारे में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुये नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा पासवान ने कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या और उससे होने वाले नकारात्मक परिणाम से होने वाले प्रभाव से लोगों को जनसंख्या के मुद्दों के बारे में जनजागरूकता बढ़ाने उद्देश्य से यह जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। जिसके लिए समाज के हर वर्ग के लोगों को परिवार कल्याण के सभी उपायो का उपयोग करते हुये बढ़ती हुई जनसंख्या के दुष्परिणाम के बच सकते है। प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. उमा रावत ने जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाडे के दौरान होने वाले विभिन्न क्रियाकलापों एवं इस वर्ष के जनसंख्या स्तरीकरण थीम परिवार नियोजन का अपनाओ उपाय, लिखो तरक्की का नया अध्याय के तहत जनपद के सभी जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले आशा एवं एएनएम के माध्यम से सभी परिवार कल्याण सेवाओं का घर-घर में पात्र लाभार्थियों को परिवार कल्याण सुविधाओं को पहुचाने एवं उपायो के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परिवार नियोजन अपनाने पर पात्र लाभार्थियो को पुरूष नसबन्दी कराने पर दो हजार एवं महिला नसबन्दी कराने पर एक हजार चार सौ गर्भनिरोधक उपाय पीपीआईयूसीडी अपनाने पर तीन सौ की धनराशि उनके खाते में सीधे डीवीटी के माध्यम से दिया जाता है। कार्यक्रम मे वरिष्ठ अधिवक्ता ज्ञानेन्द्र खंतवाल, वरिष्ठ फिजिशियन डा. अमित जैन, डा. यशोदा पाल, डा. आलिन्द पोखरियाल, महेश देवराडी, रंजीत रावत, नरेन्द्र सिंह, संदीप कण्डारी, आशीष सती, रिकी, राजबीर सिंह, उदय सिंह रावत आदि मौजूद थे।

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाडे का किया शुभारम्भ

लोक संहिता प्रतिनिधि

रूद्रप्रयाग। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाडे का समारोहपूर्वक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए परिवार नियोजन की स्थाई व अस्थाई सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की गई। पखवाड़े के अंतर्गत जनपद की 121 चिकित्सा इकाइयों में परिवार नियोजन साधन कार्नर भी स्थापित किए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 बीके शुक्ला के निर्देशन में जनपद के समस्त ब्लाकों में विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। ब्लाक अगस्त्यमुनि में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अरूणा बेंजवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने जनसंख्या स्थिरीकरण हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही परिवार नियोजन की स्थाई व अस्थाई विधि सेवाओं का लाभ उठाने की जनता से अपील की। चिकित्सा अधिकारी डॉ भवानी प्रताप ने जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए परिवार नियोजन

की स्थाई व अस्थाई विधियों को अपनाने पर जोर दिया। जिला समन्वयक परिवार कल्याण डा0 मनवर सिंह रावत ने बताया कि जनपद में 24 जुलाई तक विश्व जनसंख्या स्थरीकरण पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत समस्त चिकित्सा इकाईयों में परिवार नियोजन साधन कार्नर स्थापित किए गए हैं, बताया कि समस्त चिकित्सा इकाइयों में परिवार नियोजन सेवाएं, स्वास्थ्य शिक्षा व चिकित्सकीय परामर्श की सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं। परिवार नियोजन काउंसलर श्रीमती रेखा जोशी द्वारा परिवार नियोजन के साधनों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में जनसंख्या वृद्धि से होने वाले प्रतिकूल प्रभावों व जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए स्वास्थ्य विभाग व स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि तेजी से बढ़ रही जनसंख्या से समस्याएं भी बढ़ रही हैं, जिसके दृष्टिगत आने वाली पीढ़ी के सुखद भविष्य के लिए जनसंख्या स्थिरीकरण बेहद जरूरी है। वक्ताओं ने परिवार नियोजन अपनाने के लिए सामाजिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया, कहा कि स्वास्थ्य विभाग व स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा गया कि परिवार कल्याण सेवा प्रदात्ता के साथ-साथ स्वास्थ्य कर्मियों को जागरूकता फैलाने के साथ एक प्रेरक के रूप में कार्य करना होगा। उन्होंने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को परिवार कल्याण के विकल्प व साधनों का अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित कराने हेतु जागरूकता के स्तर पर प्रभावी करने की आवश्यकता है। संचालन श्री डीएम मंगवाल ने किया। उधर, ब्लाक जखोली में उपजिलाधिकारी परमानंद यादव द्वारा व ब्लाक ऊखीमठ में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा0 मोनिका सजवाण द्वारा पखवाड़े का शुभारंभ किया। इस अवसर पर वक्ताओं द्वारा लड़की की शादी 18 साल की उम्र के बाद करने, दो बच्चों में तीन वर्ष का अंतर रखने व बच्चों में अंतर रखने के लिए गर्भ निरोधक साधनों का उपयोग करने पर जोर दिया गया।

साथ ही बताया गया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिवार नियोजन के साधन पुरूष नसबन्दी कराने पर रूपए 2000 की,महिला नसबन्दी कराने पर रूपए 1400 व गर्भ निरोधक उपाय पीपीआईयूसीडी अपनाने पर रूपए 300 व प्रसव के बाद 7 दिन के भीतर नसबन्दी अपनाने पर रूपए 2200 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है।

कार्यक्रमों में निगरानी व मूल्यांकन अधिकारी नागेश्वर बगवाड़ी, डीबीसीसीएफ हरेंद्र सिंह नेगी, बीएलए बलवंत बजवाल, सुधीर शुक्ला, अमित नौडियाल, ब्लाक समन्वयक आशा कार्यक्रम श्रीमती रचना भट्ट, श्रीमती संख्या खन्ना, एएमएम व आशा कार्यकत्रियां मौजूद रहें।

कर दिया है। सदस्य जनक और हितकारी है। घायल कर दिया था। गुलदार को को जा रहा है।

जिला महिला अस्पताल में मनाया गया विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा

– चिरंजीव सेमवाल

उत्तरकाशी। जिला महिला चिकित्सालय में विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा में श्रीमती श्वेता राणा चौहान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने शिरकत किया। इस दौरान सचिव ने आमजनमानस हेल्थ वर्कर एवं आशा कार्यकत्रियों को सीमित परिवार के फायदों एवं वृहद परिवार के क्या नुकसान हैं की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने ने चिकित्सा अधिकारियों एवं हेल्थ वर्करों से अपील की गई कि आम जनमानस को परिवार नियोजन सेवाओं वृहद प्रचार प्रसार किया जाए। प्रमुख अधीक्षक डॉ0 बीएस रावत उपस्थित आमजनमानस एवं हेल्थ वर्करों को जागरूक किया गया व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े की इस वर्ष की थीम ''परिवार नियोजन का अपनाओं उपाय लिखो तरक्की का नया अध्याय'' से अवगत कराया गया।अपर मुख्य चिकित्सा

अधिकारी उपस्थित आमजनमानस को अवगत कराया गया कि उक्त पखवाड़ा समस्त जनपद में 11 जुलाई से 24 जुलाई, 2022 तक चलाया जायेगा द्य इस अवसर पर पखवाड़े के दौरान जनपद के जिला महिला चिकित्सालय में महिला तथा पुरूष नसबन्दी हेतु शिविर आयोजित किये गये । जिसका प्रचार-प्रसार विभिन्न माध्यमों से किया जा रहा है। 27 जून से जनसंख्या नियंत्रण पखवाड़ा अभियान चलाया जा रहा था। उन्होंने बताया कि परिवार नियोजन के लिए लोगों को प्रोत्साहित किये जाने के उद्देश्य से नसबंदी कराने पर कुछ प्रोत्साहन राशि भी सरकार की ओर से दी जाती है। महिलाओं को नसबंदी कराने पर 1400 रूपये और पुरूषों को नसबंदी कराने पर 2000 रूपये दिये जाने का प्राविधान है। डॉ0 खुशबु पुजारी, स्त्री रोग विशेषज्ञ ने दो बच्चों में अंतर रखने के फायदे एवं अंतर रखने के उपाय से अवगत कराया गया तथा लोगों को परिवार नियोजन के साधन गर्भ निरोधक गोली, पीपीआईयूसीडी, आईयूसीडी, अंतरा इंजेक्शन आदि के संबंध में जानकारी दी गई । इस के अतिरिक्त सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जा रही नि:शुल्क सेवाओं 102, 108 एवं 104 के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर आशा कार्यकत्री एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

परिवार नियोजन की सेवाओं का उठाएं लाभ

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा हुआ शुरू, परिवार नियोजन साधन कार्नर स्थापित किए

संवाद सहयोगी, रुद्रप्रयागः स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में जनपद में विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े का शुभारंभ हो गया है। इस अवसर पर जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए परिवार नियोजन की स्थायी व अस्थायी सेवाओं का लाभ उठाने पर जोर दिया गया। जिला चिकित्सालय समेत 121 चिकित्सा इकाइयों में परिवार नियोजन साधन कार्नर भी स्थापित किए गए। जनसंख्या स्थरीकरण पखवाड़ा 24 जुलाई तक चलेगा।

जनपद के जिला मुख्यालय समेत तीनों ब्लाकों में विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। ब्लाक अगस्त्यमुनि में नगर पंचायत अध्यक्ष अरुणा बेंजवाल, ब्लाक जखोली में उपजिलाधिकारी परमानंद यादव एवं ब्लाक ऊखीमठ में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा. मोनिका सजवाण ने पखवाड़े का शुभारंभ किया। चिकित्सा अधिकारी डा. भवानी प्रताप ने जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए परिवार नियोजन की स्थायी व अस्थायी विधियों को अपनाने पर जोर दिया। जिला समन्वयक परिवार कल्याण डा. मनवर सिंह रावत ने बताया कि समस्त चिकित्सा इकाइयों में परिवार नियोजन सेवाएं, स्वास्थ्य शिक्षा व चिकित्सकीय परामर्श की सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं। सीएमओ डा. बीके शुक्ला ने लड़की की शादी 18 साल के बाद करने, दो बच्चों में तीन वर्ष का अंतर रखने पर जोर दिया गया। बताया कि पुरुष नसबंदी कराने पर 2000 रुपये, महिला नसबंदी पर 1400, गर्भ निरोधक उपाय अपनाने पर 300 एवं प्रसव के बाद सात दिन के भीतर नसबंदी कराने पर 2200 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। वक्ताओं ने कहा कि आने वाली पीढ़ी के सुखद भविष्य के लिए जनसंख्या स्थिरीकरण बेहद जरूरी है। इस अवसर पर निगरानी व मूल्यांकन अधिकारी नागेश्वर बगवाड़ी, परिवार नियोजन काउंसलर श्रीमती रेखा जोशी, डीबीसीसीएफ हरेंद्र सिंह नेगी, बलवंत बजवाल, सुधीर शुक्ला, अमित नौडियाल, रचना भट्ट आदि मौजूद थे।

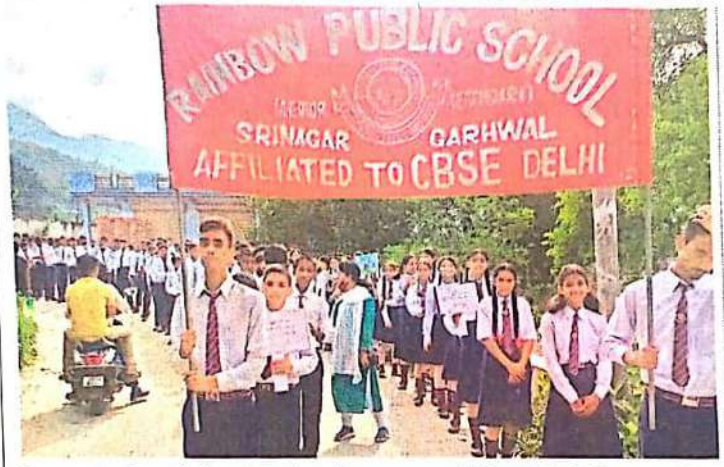

विश्व जनसंख्या दिवस को लेकर चौरास श्रीनगर में जनजागरूकता रैली निकालते रेनबो पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राएं • जागरण

'छोटा परिवार सुखी जीवन का आधार

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: विश्व जनसंख्या दिवस को लेकर रेनबो पब्लिक स्कूल चौरास श्रीनगर के छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाली गयी। मढ़ी के साथ ही चौरास बाजार और अन्य क्षेत्रों से गुजरती हुई यह रैली वापस स्कूल परिसर पहुंची। जनजागरूकता रैली में शामिल छात्र-छात्राएं छोटा और स्वस्थ परिवार सुखी जीवन का आधार के साथ ही जनसंख्या नियंत्रण के लाभों को लेकर अन्य नारे भी गुंजायमान कर रहे थे। प्रधानाचार्या डा. रेखा उनियाल ने हरी झंडी दिखाकर विश्व जनसंख्या दिवस को लेकर स्कूल परिसर से जनजागरूकता रैली का शुरुआत कराया। विद्यालय की उपप्रधानाचार्य सुनीता राणा ने भी छात्रों को संबोधित किया। विद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल थे।

बढ़ती जनसंख्या के नकारात्मक परिणाम बताए

गोपेश्वर: विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर बढ़ती आबादी के दुष्प्रभावों व जनसंख्या नियंत्रण को लेकर जनपद में विविध जागरूकता कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष पुष्पा पासवान ने बढ़ती जनसंख्या और इससे होने वाले नकारात्मक परिणामों के बारे में बताया। परिवार कल्याण परामर्शदाता हेमलता भट्ट ने परिवार कल्याण के आसान उपायों को समझाया। वरिष्ठ फिजिशियन डा.अमित जैन ने जनसंख्या स्थिरीकरण से संबधित तकनीकी जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता ज्ञानेन्द्र खंतवाल ने परिवार कल्याण के सदर्भ मे विधिक जानकारी दी। प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.उमा रावत ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस मनाने का उद्देश्य वर्तमान में बढती आबादी के कारण होने वाले दुष्प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करना है। कार्यक्रम का संचालन उदय सिंह रावत ने किया। इस अवसर पर डा.यशोदा पाल, डा.अलिन्द पोखरियाल, महेश देवराडी, रंजीत रावत, नरेन्द्र सिंह, आशीष सती, रिंकी आदि मौजूद थे।

गोपेश्वर जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में बोलती परिवार कल्याण परामर्शदाता हेमलता भट्ट • जागरण

विश्व जनसंख्या दिवस पर जिले में विविध कार्यक्रम

- जनसंख्या नियंत्रण को जरूरी बताया
- लोगों को इस के लिए जागरूक किया

आज समाचार सेवा

अल्मोड़ा। विश्व जनसंख्या दिवस पर जिले में विविध कार्यक्रम हुए। इस दौरान लोगों को बढ़ती जनसंख्या के खतरे से अवगत कराते हुए नियंत्रण में सहभागी बनने की अपील की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के साथ स्वास्थ्य विभाग व मेडिकल कालेज के संयोजन में कार्यक्रम हुए।

प्राधिकरण सचिव ने आईटीआई खूंट में विचार रखे: जिला जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवि शंकर मिश्रा ने जन सख्या दिवस पर आईटीआई खूंट में हुई गोष्ठी में विचार रखे। इसका आयोजन राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा जिला न्यायाधीश के निर्देशन में किया गया। मिश्रा ने बताया कि 11 जुलाई 1987 को विश्व की जनसंख्या पांच सौ करोड़ पहुंच गई थी। इस तिथि को जनसंख्या दिवस के तौर पर मनाने पर विचार हुआ। पहलीबार 11 जुलाई 1989 को यह दिवस मनाया गया। 1990 से इसको लगातार मनाया जा रहा है। सचिव ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या तमाम परेशानियों का करण बन रही है। इसको देखते हुए इसके नियंत्रण की जरुरत है। इसेक लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने प्राधिकरण के विषय में जानकारी भी दी। संस्थान के शिक्षक व बच्चों ने इसमें प्रतिभाग किया।

महिला अस्पताल में कार्यक्रम: जन संख्या दिवस पर स्वास्थ्य विभाग के जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े का सोमवार को शुभारंभ किया गया। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अनिल डिंगरा ने इस मौके पर आशाओं से आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाने की अपील की। जिला कार्यक्रम प्रबंधक दीपक भट्ट ने जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर जानकारी दी। डॉ. हेमलता व हेमा रावत ने परिवार नियोजन को लेकर जानकारी दी। पीएमएस डॉ. प्रीति पंत ने दो बच्चों को उनके बीच में अंतर पर बल दिया। इस मौके पर भावना जोशी, हेमा ढांकी, संजय जोशी, गोकुलानंद जोशी, सुचिता भट्ट, फार्मासिस्ट रवि मिश्रा आदि मौजूद रहे।

मेडिकल कालेज के संयोजन में गोष्ठी: अल्मोड़ा मेडिकल कालेज के संयोजन में हवालबाग में विश्व जनसंख्या दिवस पर गोष्ठी हुई। प्राचार्य डॉ. सीपी पैसोड़ा के निर्देशन में कम्युनिटी विभाग ने इसका आयोजन किया। विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. संजीव दवे ने बढ़ती आबादी, लिंग असमानता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के विषय में जानकारी दी। कहा कि बार बार प्रसव होने से महिला के स्वास्थ्य में भी विपरीत असर होता है। इस मौके पर ग्रामीण महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम में प्रवक्ता डॉ. मशरूफ शालिनी शर्मा, ललिता बिष्ट, मोहम्मद इकबाल आदि मौजूद रहे।

जनसंख्या नियंत्रण के विभिन्न उपायों को किया गया प्रचारित व प्रसारित

संवाददाता पुरोला। बीएल जुवांठा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पुरोला में सोमवार को विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े को लेकर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज कुमार ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए बताया कि विश्व की जनसंख्या में हो रही उत्तरोत्तर वृद्धि मानव जाति के लिए एक विकराल समस्या बनती जा रही है।

उन्होंने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर जनजागृति फैलाने के लिए हर वर्ष विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े का आयोजन किया जाता है। जिसमें गोष्ठियों के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण के विभिन्न उपायों व बढ़ती जनसंख्या के दुष्प्रभाव के प्रति जनजागृति फैलाई जाती है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार जनसंख्या नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन को प्रोत्साहन देने के लिए समय समय पर विभिन्न कार्यक्रमों को चलाती आ रही है ,साथ ही गर्भ नियंत्रण के अन्य उपायों को प्रोत्साहित करती है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पुरोला में सोमवार से शुरु हुआ विश्व स्थिरीकरण पखवाड़ा 11 जुलाई से 24 जुलाई तक आयोजित किया जायेगा। पखवाड़े के तहत गोष्ठियों के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण के विभिन्न उपायों को प्रचारित व प्रसारित किया जायेगा। जिसमे परिवार नियोजन के साथ साथ गर्भ नियंत्रण के विभिन्न उपायों के प्रति जागरूकता फैलाई जाएगी।

जनसंख्या वृद्धि रोकने के लिए जागरूक करना जरूरी

कार्यक्रम

अल्मोड़ा, संवाददाता। जिला महिला चिकित्सालय अल्मोड़ा में सोमवार को जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर परिवार नियोजन के सुरक्षित तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमलता ने अस्थायी गर्भ निरोधक साधनों कॉपर-टी, निरोध, अंतरा टीकाकरण, गर्भ निरोधक गोलियों की उपयोगिता के बारे में आशाओं को विस्तार से जानकारी दी। परिवार नियोजन की सुरक्षित तरीकों के बारे में भी विस्तार से बताया। इसके अलावा अस्पताल की सीएमएस डॉ. प्रीति पंत ने आशाओं को प्रेरित करते हुए अपने अपने क्षेत्र में आम जन मानस को जनसंख्या स्थिरीकरण के बारे में बताने और दो बच्चों के बीच में अंतर रखने की बात पर जोर दिया। संचालन जिला कार्यक्रम प्रबंधक दीपक भट्ट ने किया। यहां एसीएमओ डॉ. अनिल ढींगरा, डॉ. हेमा रावत, जिला महिला चिकित्सालय अल्मोड़ा से भावना जोशी, परामर्शदाता परिवार नियोजन हेमा, काउंसलर संजय जोशी, जिला डाटा मैनेजर गोकुलानंद जोशी, आशा समन्वयक सुचिता भट्ट, सोशल वर्कर एनटीसीपी रवि मिश्रा आदि मौजूद रहे।

जनसंख्या बढ़ोतरी रोकने को जागरूकता जरूरी : मिश्रा अल्मोड़ा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से विश्व जनसंख्या दिवस पर आईटीआई खूंट में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस मौके पर विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रवि शंकर मिश्रा ने विश्व जनसंख्या दिवस के बारे में जानकारी दी। कहा कि बेरोजगारी, अशिक्षा, गरीबी, भुखमरी के बढ़ने के पीछे बड़ा कारण जनसंख्या बढ़ोतरी है। इन सब को रोकने के लिए जनसंख्य नियंत्रण जरूरी है।

अल्मोड़ा महिला चिकित्सालय में जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े का शुभारंभ किया।

सामान्य ज्ञान में ललिता ने मारी बाजी: सोमेश्वर। हुकुम सिंह बोरा राजकीयमहाविद्यालय में जनसंख्या दिवस परसामान्य ज्ञान में ललिता नेगी, सोनल रौतेला और कोमल ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में अव्वल रहे छात्राओं को प्राचार्य ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर डॉ. सीपी वर्मा, डॉ. कंचन वर्मा, डॉ. अनिल भरड़ा, डॉ. राकेश पांडेय, डॉ. संजय कुमार, डॉ. नीता टम्टा, डॉ. प्राची टम्टा, डॉ. आंचल, पवन पांडे, कोमल, सोनल, कुसुम, सपना, मनोज, प्रेम प्रकाश आदि मौजूद रहे।

जनसंख्या पर चिंता

द्वाराहाट। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज द्वाराहाट में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्या तनुजा जोशी की अध्यक्षता और प्रवक्ता माया मेहरा के संचालन में हुए कार्यक्रम में जनसंख्या वृद्धि से वैश्विक स्तर पर हो रही दैनिक समस्याओं को इंगित किया गया।

दिनेश चंद्र, जोगाराम, पंकज त्रिकोटी, हिमांशु कुमार आदि ग्रामीण शामिल थे। साइआ सुभाष भट्ट द्वारा सभा कामका स अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहने का तवारा, हष सह बिष्ट, भगवान राम, सुरश जोशी, देवकी बिष्ट भी उपस्थित रहे।

जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा शुरू

बागेश्वर (एसएनबी)। जनपद में परिवार नियोजन का अपनाओ उपाय, लिखो तरक्की का नया अध्याय अभियान के तहत जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का शुभारंभ अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. हरीश पोखरिया व सीएमएस डा. विनोद टम्टा ने किया।

विभाग द्वारा 24 जुलाई तक इसके तहत शिविर आयोजित किए जाएंगे। विश्व जनसंख्या दिवस पर जिला चिकित्सालय में पखवाड़े का शुभारंभ करते हुए अपर मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए समय पर उपाय करना होगा। जिसके तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा सरकारी चिकित्सालयों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। प्रमुख चिकित्साधीक्षक डा. विनोद टम्टा ने कहा कि नसबंदी करने से किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता है। इस दौरान डा. राजीव उपाध्याय, डा. रीमा उपाध्याय आदि उपस्थित थे। इधर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. सुनीता टम्टा ने बताया कि सोमवार को प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि पखवाड़े के तहत कांडा में 11, 13, 18, 20, 23 जुलाई को शिविर आयोजित किया जाएगा। कपकोट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 12, 15, 19, 22 जुलाई व बैजनाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 14, 16, 21 जुलाई को शिविर आयोजित किए जाएंगे।

जनपद के सभी ब्लाकों में हुआ विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े का शुभारंभ

सरल एक्सप्रेस

रुद्रप्रयाग। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाडे का समारोहपूर्वक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए परिवार नियोजन की स्थाई व अस्थाई सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की गई। पखवाड़े के अंतर्गत जनपद की 121 चिकित्सा इकाइयों में परिवार नियोजन साधन कार्नर भी स्थापित किए गए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 बीके शुक्ला के निर्देशन में जनपद के समस्त ब्लाकों में विश्व जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। ब्लाक अगस्त्यमुनि में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष अरूणा बेंजवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने जनसंख्या स्थिरीकरण हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही परिवार नियोजन की स्थाई व अस्थाई विधि सेवाओं का लाभ उठाने की जनता से अपील की।

चिकित्सा अधिकारी डॉ भवानी प्रताप ने जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए परिवार नियोजन की स्थाई व अस्थाई विधियों को अपनाने पर जोर दिया। जिला समन्वयक परिवार कल्याण डा0 मनवर सिंह रावत ने बताया कि जनपद में 24 जुलाई तक विश्व जनसंख्या स्थरीकरण पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है, , बताया कि समस्त चिकित्सा इकाइयों में परिवार नियोजन सेवाएं, स्वास्थ्य शिक्षा व चिकित्सकीय परामर्श की सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं। परिवार नियोजन काउंसलर रेखा जोशी द्वारा परिवार नियोजन के साधनों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में जनसंख्या वृद्धि से होने वाले प्रतिकूल प्रभावों व जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए स्वास्थ्य विभाग व स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि तेजी से बढ़ रही जनसंख्या से समस्याएं भी बढ़ रही हैं, जिसके दृष्टिगत आने वाली पीढ़ी के सुखद भविष्य के लिए जनसंख्या स्थिरीकरण बेहद जरूरी है।

उधर, ब्लाक जखोली में उपजिलाधिकारी परमानंद यादव द्वारा व ब्लाक ऊखीमठ में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा0 मोनिका सजवाण द्वारा पखवाड़े का शुभारंभ किया। इस अवसर पर वक्ताओं द्वारा लड़की की शादी 18 साल की उम्र के बाद करने, दो बच्चों में तीन वर्ष का अंतर रखने व बच्चों में अंतर रखने के लिए गर्भ निरोधक साधनों का उपयोग करने पर जोर दिया गया। साथ ही बताया गया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिवार नियोजन के साधन पुरुष नसबन्दी कराने पर 2000 रुपये की,महिला नसबन्दी कराने पर चौदह सौ रुपए व गर्भ निरोधक उपाय पीपीआईयूसीडी अपनाने पर रूपए 300 व प्रसव के बाद 7 दिन के भीतर नसबन्दी अपनाने पर रूपए 2200 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है।

'राष्ट्र की प्रगति के लिए जनसंख्या नियंत्रण जरूरी'

नई टिहरी/ गोपेश्वर। स्वास्थ्य विभाग की पहल पर जनसंख्या नियंत्रण पखवाड़े पर जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई।

नेहरू युवा केंद्र जौनपुर की ओर से भाषण, स्लोगन, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला अस्पताल बौराड़ी में सीएमओ डा. संजय जैन ने जनसंख्या नियंत्रण पखवाड़े का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएमएस डा. अमित राय, डीपीएम ऋषभ उनियाल, दर्मियान सिंह, शकुंतला सेमवाल, रेखा, सीमा रावत आदि उपस्थित रहे।

रुद्रप्रयाग में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में संगोष्ठी आयोजित की। प्रभारी प्रधानाचार्या ममता रावत ने कहा कि विशेष दिवसों व अन्य मौकों पर इस तरह के जानकारीपरक कार्यक्रम विद्यालय स्तर पर होने चाहिए। उधर, जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग में विश्व जनसंख्या दिवस पर संगोष्ठी आयोजित की गई।

गोपेश्वर में जिला अस्पताल परिसर में एक गोष्ठी आयोजित की गई। प्रभारी जिला चिकित्साधिकारी डा. उमा रावत ने जनसंख्या के बढ़ते कारणों एवं इसके समाधान के लिए उपायों पर चर्चा की। विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता ज्ञानेंद्र खंतवाल ने जनसंख्या वृद्धि के कारणों व उनके रोकथाम पर जोर दिया।

श्रीनगर में रेनबो पब्लिक स्कूल चौरास की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई। संवाद

जिले के अस्पतालों में परिवार नियोजन को जागरूक किया

मुख्य चिकित्साधिकारी ने जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े का उद्घाटन किया

अमृत विचार, नैनीताल

नैनीताल में जागरूकता रैली निकालकर जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े का शुभारंभ करते स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी।

जिले में जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े की शुरुआत हो गई है। सोमवार को बीडी पांडे जिला अस्पताल नैनीताल में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. भागीरथी जोशी ने दीप प्रज्ज्वलित कर इसका उद्घाटन किया। पखवाड़े के दौरान नैनीताल जिले के प्रमुख अस्पतालों में परिवार नियोजन के लिए जागरूक किया जाएगा। साथ ही एएनएम, आशा के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को परिवार नियोजन हेतु प्रेरित किया जाएगा, जिससे लक्ष्य की शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की जा सके।

बीडी पांडे जिला अस्पताल में मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े के तहत 11 जुलाई से 24 जुलाई तक जिले के मुख्य अस्पतालों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। पखवाड़े में स्थाई परिवार नियोजन सुविधा के अलावा अस्थाई विधियों से संबंधित सामग्री का वितरण भी किया जाएगा। बताया कि इस पखवाड़े में बीडी पांडे अस्पताल नैनीताल, महिला अस्पताल हल्द्वानी, सुशीला तिवारी अस्पताल हल्द्वानी में पुरुष नसबंदी, महिला नसबंदी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके साथ ही विकास खंडों में तय तिथि पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। एनएचएम के अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण कुमार टम्टा ने कहा कि आशा और एएनएम लोगों को प्रेरित करने के लिए सामुदायिक स्तर की पहली कड़ी है। इनके सहयोग से लोगों को ज्यादा से ज्यादा प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें नर्सिंग की छात्राओं, आशा, एएनएम व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन जिला कार्यक्रम प्रबंधक मदन मेहरा ने किया।

इस दौरान बीडी पांडे जिला अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. धीरेंद्र पुनेड़ा, सरयू नंदन जोशी, दीवान बिष्ट, हेम जलाल, दीपक कांडपाल, मनोज बाबू, हरेंद्र कठायत, देवेंद्र बिष्ट, दीप्ति धर्मा, विधि शुक्ला मौजूद रहे।

जनसंख्या नियंत्रण पखवाड़ा शुरु

हरिद्वार। जिला महिला अस्पताल में जनसंख्या नियंत्रण के लिए पखवाड़े का शुभारंभ किया गया। सीएमओ डॉ. कुमार खगेंद्र सिंह ने कहा कि पखवाड़े के तहत अब महिलाओं और पुरुषों को जनसंख्या नियंत्रण के लिए जागरूक किया जाएगा। इसके लिए समस्त सरकारी अस्पतालों में जागरूकता कार्यक्रम होंगे। संवाद

बाल मृत्यु कम करना एनएचएम का मुख्य लक्ष्य:डॉ. सरोज

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित शिशु स्वास्थ्य अनुभाग की ओर से राज्य के 0-5 आयु वर्ग के स्वास्थ्य को लेकर अत्यधिक संवेदनशील है। इस कार्यक्रम के तहत राज्य में 0-28 दिन के बच्चों के लिए 07 स्पेशियल न्यू बॉर्न केयर यूनिट संचालित की जा रही है। साथ ही 29 दिन से 01 साल के बच्चों के लिए 36 न्यू बॉर्न स्पेशियलाईजेशन यूनिट स्थापित की गयी है। कई शिशु एवं बाल रोग संबंधित बीमारियों यथा एनिमिया, डायरिया, कुपोषण के उपचार के लिए कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

निदेशक, एनएचएम डॉ. सरोज नैथानी ने बताया कि राज्य में बाल मृत्यु को कम करना राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का सर्वोपरि लक्ष्य है। इस संबंध में 05 वर्ष तक के आयु के बच्चों की मृत्यु कम करने में पहला

■ एसपीएस अस्पताल ऋषिकेश में छह माह की बच्ची की उपचार के दौरान मौत मामले को लेकर कमेटी की बैठक, एमडी एनएचएम ने किया डेथ ऑडिट जांच कमेटी का गठन

कदम है, प्रत्येक मृत्यु की रिपोर्ट एवं उनकी समीक्षा होना। साथ ही साथ प्रत्येक मृत्यु का कारण पता लगने पर उचित कार्यवाही किया जाना। उत्तराखण्ड में पांच वर्ष तक के बच्चों की मृत्यु दर 30 (प्रति हजार जीवित जन्म) है तथा पूरे देश में यह 36 (प्रति हजार जीवित जन्म) है। हाल में एसपीएस चिकित्सालय, ऋशिकेष में 06 माह की बच्ची के उपचार के दौरान हुई मृत्यु से संबंधित घटना की सूचना विभाग के संज्ञान में आयी। इसकी सूचना बच्ची के अभिभावक की ओर से एनएचएम की ओर से संचालित 104 हैल्पलाईन में शिकायत दर्ज की गयी। इस घटना का संज्ञान लेते हुए मिशन निदेशक एनएचएम ने डेथ ऑडिट जांच कमेटी का गठन किया, जिसमें निदेशक, एनएचएम की अध्यक्षता में प्रभारी अधिकारी शिशु स्वास्थ्य, बाल रोग विशेषज्ञ मेडिकल कॉलेज देहरादून, वरिष्ठ बाल रोग विषेशज्ञ कोरोनेशन जिला चिकित्सालय, देहरादून एसीएमओ देहरादून को नामित किया गया, ताकि उपरोक्त घटना पर त्वरित कार्यवाही की जा सके। मिशन निद. शक की ओर से निर्गत दिशा-निर्देशों के अनुसार एसीएमओ, एनएचएम देहरादून, सीएमएस एसपीएस ऋषिकेश, संबंधित चिकित्सा अधिकारी एवं स्टॉफ नर्स को इस प्रकरण के संबंध में समस्त दस्तावेजों के वर्बल ऑटोपसी (मौखिक शव परीक्षा) के लिए उपस्थित होने के निर्देश निर्गत किए गए है।

संबंधित घटना की समीक्षा करने के लिए कमेटी की बैठक मंगलवार को हुई, जिसमें समिति के सदस्यों के साथ संबंधित चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, चिकित्सा अधिकारी एवं स्टॉफ नर्स ने प्रतिभाग किया। जांच के दौरान कमेटी ने पाया कि चिकित्सालय के कर्मचारीयों ने बताया कि बच्चे की स्थिति को देखते हुए समय पर एम्स में रेफर कर दिया था लेकिन प्रभावित पक्ष ने बताया कि बच्चे की मृत्यु चिकित्सालय परिसर में हुई। यह भी संज्ञान में आया कि बच्ची की जान को खतरा है जिसकी अनुमति प्रभावित पक्ष से पहले ले ली गई थी, लेकिन आपातकालीन चिकित्सक को इस सम्बंध में किसी भी प्रकार की जानकारी नही दी गई थी जिसकी वजह से 2:30 बजे भर्ती होने के समय से डिस्चार्ज (सांय 6:30) होने तक किसी भी चिकित्सक ने उसकी जांच नही की।

बीमार पशुओं से मानवों में भी फैल जाते हैं रोग

जागरण संवाददाता, बागेश्वर : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जिले में विश्व जोनोसिस दिवस मनाया गया। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डा. सुनीता टम्टा ने कहा कि पशुओं का पालन उचित है। इसमें सावधानी नहीं बरती तो इससे मानव में रोग की संभावना रहती है।

मुख्य चिकित्साधिकारी डा. टम्टा ने कहा कि अपने पालतू जानवरों को टीकाकरण अवश्य करवाएं। जिससे वह रोगी नहीं होंगे। मानव भी सुरक्षित रहेंगे। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. आर चंद्रा ने कहा कि कई लोग घरों में पशु पालते हैं। उचित देखभाल भी करते हैं। जानकारी के अभाव में टीकाकरण नहीं करवाते हैं। जिससे कई रोगों की संभावना होती है। कहा कि यह दिवस लोगों में जागरूकता के लिए मनाया जाता है। जब कोई रोग जानवर से मानव में फैलता है, उसे रिवर्स जिरोसिस कहा जाता है। इस दौरान किशन सिंह मलड़ा ने पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रयास किए जाने की बात कही। कार्यक्रम में उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा. हरीश पोखरिया ने पशुओं से होने वाले रोगों की जानकारी दी। कार्यक्रम में उपमुख्य चिकित्साधिकारी डा. प्रमोद सिंह जंगपांगी, केतन साह, देवेंद्र मुस्योनी, सरोज मेहता, रमेश पर्वतीय, जय जोशी, अनूप कांडपाल, पंकज कुमार, गोकुल कठायत, लक्की आदि मौजूद थे। कार्यक्रम के बाद पौधारोपण भी किया गया।

बागेश्वर में विश्व जोनिसिस दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सीएमओ डा. सुनीता टम्टा ●

अल्मोड़ा सीएमओ कार्यालय में बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में मौजूद कार्मिक ● जागरण

पशुजन्य बीमारियों के विरुद्ध किया जागरूक

अल्मोड़ा : सीएमओ कार्यालय में विश्व पशुजन्य रोग दिवस मनाया गया। पशुओं से मानव में फैलने वाले रोगों की जानकारी दी गई।

प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अनिल ढींगरा ने विश्व पशुजन्य रोग दिवस (जूनोसिस) के बारे में जानकारी दी। उन्होंने दिवस की महत्वता बताई। कहा कि कई रोग पशुओं से मानव में भी फैल रहे हैं। जिसके लिए जागरूक होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि पशुपालकों को अपने मवेशियों पर समय-समय पर टीकाकरण कराना चाहिए। साथ ही मौसमी व संक्रामक रोगों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। पशु में रोग के लक्षण दिखते ही पशु चिकित्सक से इलाज करवाना चाहिए। इस मौके पर डा. ललित पांडे, एनएचएम जिला कार्यक्रम प्रबंधक दीपक भट्ट मौजूद रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में एनएचएम का अहम योगदान: डॉ. धन सिंह

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का योगदान सबसे अहम है। मिशन के तहत स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है। एनएचएम के तहत केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का बेहत्तर संचालन किये जाने पर केन्द्र सरकार ने इस वित्तीय वर्ष रूपये 1129.35 करोड़ का बजट स्वीकृत किया, जो कि पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले 280 करोड़ अधिक है।

राज्य सरकार की ओर से स्वास्थ्य के क्षेत्र में किये गये सफल प्रयासों से यह संभव हो पाया है। एनएचएम के तहत केन्द्र सरकार की ओर से स्वीकृति धनराशि से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत किया जायेगा, ताकि लोगों को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं सुभल हो सके। एनएचएम के तहत राज्य को बड़ा स्वास्थ्य बजट मिलने पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया का आभार जताया। डॉ0 रावत ने मीडिया को जारी एक

बयान में बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत राज्य को इस वित्तीय वर्ष रूपये 1129.35 करोड़ का बजट मिला है। उन्होंने कहा कि एनएचएम के तहत स्वास्थ्य के क्षेत्र में किये गये बेहत्तर कार्यों को देखते हुये केन्द्र सरकार ने पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार अधिक बजट स्वीकृत किया है, जो कि एनएचएम एवं स्वास्थ्य विभाग के लिये बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत किया जायेगा और लोगों स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो सकेंगी। डॉ. रावत ने बताया कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार लगातार काम कर रही है। केन्द्र एवं राज्य सरकार की ओर से संचालित स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ आम आदमी तक पहुंचाने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं।

■ एनएचएम के तहत चालू वित्तीय वर्ष में राज्य को मिला 1129.35 करोड़ का बजट■ डॉ. रावत ने प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का जताया आभार

स्वीकृत धनराशि से कार्यक्रमों को मिलेगी गति

देहरादून। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रावत ने बताया कि स्वीकृत धनराशि राज्य में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों के रेफरल वाहनों की नि:शुल्क व्यवस्था, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बालिका विद्यालयों में 50 सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और 50 इंसीनरेटर लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी में डिस्ट्रिक्ट अर्ली इंटरवेंशन सेंटर की स्थापना स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके साथ ही उत्तरकाशी एवं बागेश्वर में दो न्यू बोर्न स्टेबलिसेशन यूनिट का उच्चीकरण कर सिक न्यू बोर्न केयर यूनिट के रूप में विकसित किया जायेगा। जबकि राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जनपद अल्मोड़ा, बागेश्वर एवं रुद्रप्रयाग के जिला अस्पताल में किशोर हेल्थ क्लिनिक स्थापित किया जायेगा। इसके अलावा 14 ब्लॉकों के प्राथमिक अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में किशोर हेल्थ क्लिनिक की स्थापना की जायेगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि किशोरों के स्वास्थ्य को ध्यान रखते हुये देहरादून, नैनीताल, पौड़ी, हरिद्वार, टिहरी एवं उधमसिंह नगर जनपद में मॉडल किशोर स्वास्थ्य क्लिनिक की स्थापना की जायेगी। डॉ0 रावत ने कहा कि एनयूएचएम के तहत देहादून जनपद के मेहुंवाला में नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की गई। कॉप्रिहेंसिव प्राइमरी हेल्थ केयर तहत 244 नए उपकेंद्र-हेल्थ एंड वैलनेस सेंटरों की स्थापना की जायेगी। इसके अलावा 1847 आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में नि:शुल्क योग प्रशिक्षण दिया जायेगा। ब्लड सेल प्रोग्राम के तहत थैलीसीमिया के मरीजों को रक्त चढ़ाने के लिए ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेट प्रदान किये जायेंगे। कई अन्य कार्यक्रमों को भी गति मिलेगी।